कोचेडेगा–रामरेखा–छत्तीसगढ़ सीमा तक पथ चौड़ीकरण मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण प्रतिवेदन

पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल सिमडेगा द्वारा कोचेडेगा–रामरेखाधाम से छत्तीसगढ़ सीमा तक पथ चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य हेतु प्रस्तावित वन क्षेत्र में पड़ने वाले/सम्मिलित स्थल का प्रयोक्ता अभिकरण पदाधिकारी/कर्मचारी तथा अपने अधीनस्थ वन क्षेत्र पदाधिकारी, सिमडेगा वन क्षेत्र एवं वनकर्मियों के साथ दिनांक–06.06.2016 को स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह पथ सिमडेगा से मौजा गरजा–कोचेडेगा–नानेसेरा–कैरबेड़ा के वनभूमि एवं जंगल–झाड़ी भूमि से गुजरते हुए गुमला वन प्रमंडल, गुमला के अधीन मौजा कोण्डरा होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा की ओर जायेगी। जिसे प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा टोपोशीट मैप **F45G6** पर आरेखित कर दर्शाया गया है। इस पथ की कुल लम्बाई 27.325 कि0मी0 है, जिसमें से सिमडेगा वन प्रमंडल, सिमडेगा अन्तर्गत 3.59 कि0मी0 वनभूमि से होकर गुजरेगी। पथ की 12 मीटर की चौड़ाई में कुल–4.318 हे0 वनभूमि अपयोजित होगा। इस पथ हेतु प्रस्तावित वनभूमि पर अवस्थित वनस्पतियों का औसतन घनत्व–04–05 है, जो **Eco Class-III** के अन्तर्गत है तथा दुर्लभ वनस्पति/पेड़–पौधे एवं वन्यजीव, वन्यप्राणी आश्रयणी एवं नेशनल पार्क इत्यादि नहीं है, परन्तु पथ से लगभग 01 कि0मी0 दूरी पर पर्यटन स्थल रामरेखाधाम (मन्दिर) अवस्थित है। प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस पथ के चौड़ीकरण मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण हेतु कम से कम वनभूमि अपयोजन का प्रयास करते हुए पथ का आरेखन कर प्रस्तावित किया गया है, चूँकि यह घाटी/पहाड़ी क्षेत्र है। इस पथ के चौड़ीकरण मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को छत्तीसगढ़ राज्य तक यातायात, व्यापार हेतु परिवहन आदि कार्य में बढ़ावा के साथ–साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पेट्रॉलिंग एवं एक–दूसरे राज्य में आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इस प्रकार यह एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव है, जिस पर अग्रेतर कार्रवाई हेतु अनुशंसा की जाती है।

06/06/16

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
सिमडेगा वन प्रमंडल, सिमडेगा।